मंत्री प्रसाद नैथानी

शिक्षा मंत्री,
उत्तराखण्ड सरकार
दिनांक : 26 जनवरी 2016

"गणतंत्र दिवस सन्देश"

संदेश

प्रदेश के समस्त सम्मानित अभिभावकों, शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्र–छात्राओं एवं शिक्षा परिवार के समस्त अभिकर्मियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई।

साथियों आज हम 67वां गणतन्त्र दिवस मना रहे हैं। देश का संविधान लागू हुये 66 वर्ष हो चुके हैं। देश के शासन का स्वरूप हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में अंगीकृत किया गया है।

हम सभी स्वतंत्र भारत के नागरिक हैं, जिन्हें देश के विकास एवं उन्नति के लिए पृथक–पृथक दायित्व सौंपे गये हैं। देश के नागरिक अपनी रूचि एवं क्षमता के अनुसार इन दायित्वों का चयन करने के लिए स्वतन्त्र हैं। शिक्षा परिवार से जुड़े हम और आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमें शिक्षा जैसे पुनीत दायित्व के माध्यम से देश एवं समाज की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। नौनिहालों में आदर्श नागरिक का गुण विकसित करने तथा उन्हें अपेक्षित ज्ञान प्रदान कर उनमें आत्म विश्वास जागृत करने की आवश्यकता है। बच्चों की क्षमता संवर्धन कर उन्हें राष्ट्रसेवा के लिए यथोचित ढ़ग से तैयार करना हमारा कर्तव्य है।

शिक्षा को सवर्द्धित करने की दिशा में जहां एक ओर प्रदेश में प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर विद्यालयों की स्थापना की जा रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार द्वारा छात्र व शिक्षक हितों के लिए कई कल्याणकारी योजनायें लागू की गई हैं। विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं के लिए विद्यालय भवन, प्रयोगशालायें, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष, शौचालय, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्थायें सुनिश्चित की जा रही हैं। तत्कालिक आवश्यकताओं को देखते हुये शिक्षकों के रिक्त पदों पर गेस्ट टीचर की व्यवस्था की गई है। प्रवक्ता, प्रधानाचार्य के पदों पर नियमित पदोन्नतियों की प्रक्रिया गतिमान है। हम इण्टर स्तर पर प्रधानाचार्यो की पदस्थापना सुनिश्चित करने जा रहे हैं। प्रदेश में पारदर्शी स्थानान्तरण नीति का अनुपालन करते हुए वर्षो से दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों को सुगम क्षेत्रों में स्थानान्तरित किया गया है। अच्छे शिक्षकों को निरन्तर प्रोत्साहित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा शैलेश मटियानी पुरस्कार के साथ ही प्रदेश में प्रथम बार गवर्नर्स टीचर्स अवार्ड प्रदान किये गये। एल0टी0 ग्रेड में सीधी भर्ती से

शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, तथा प्रवक्ता पद पर पदोन्नति हेतु 1413 अध्यापकों के लिए अधियाचन राज्य लोक सेवा आयोग को भेजा गया है, जबकि सीधी भर्ती से शिक्षकों की चयन प्रक्रिया गतिमान है।

मेरा मानना है कि कार्य की गुणवत्ता व गतिशीलता उसके निरन्तर अनुश्रवण व पश्च पोषक से सुनिश्चित होती है, इस हेतु विभागीय स्तर पर प्रथम बार उप शिक्षाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्रत्येक अधिकारी को उसके स्तर पर नियमित विद्यालय अनुश्रवण हेतु उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है।

प्रदेश के शासकीय विद्यालय शिक्षा के आदर्श केन्द्र बनें, इस हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकासखण्ड में 02 प्राथमिक, 01 उच्च प्राथमिक व 02 माध्यमिक विद्यालयों को मॉडल स्कूलों के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश में 04 राजीव गांधी अभिनव आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई है। प्रारम्भिक शिक्षा में शिक्षा का अधिकार अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ ही टी0ई0टी0 प्रशिक्षित अध्यापकों की नियुक्ति की गई है। माध्यमिक विद्यालयों में केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रयोगशाला व कार्यालय सहायकों को मानदेय न दिये जाने के कारण सेवा से विरक्त 1693 कार्मिकों को राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से संविदा पर मानदेय दिया जा रहा है।

छात्र–छात्रायें शिक्षा के प्रति अधिक सार्थक प्रयास कर समाज में अपनी सहभागिता और क्षमता का प्रयोग कर सकें, इस हेतु बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को गवर्नर्स अवार्ड, इण्टर परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रोत्साहन एवं कमला नेहरू पुरस्कार योजना आरम्भ की गई है। विद्यालयों में समुदाय की सक्रिय सहभागिता हो, इस हेतु सभी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंध समितियों का गठन कर उनका प्रशिक्षण व जागरूकता अभियान चलाया गया है।

मेरा आप सभी महानुभावों से आग्रह है कि इस पावन दिवस पर हम यह शपथ लें कि हम राज्य को **"शिक्षित उत्तराखण्ड – विकसित उत्तराखण्ड"** बनाने के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करें व प्रदेश को सम्पूर्ण साक्षर व समृद्धशाली प्रदेश बनायें।

जय हिन्द! जय उत्तराखण्ड!

(मंत्री प्रसाद नैथानी)
शिक्षा मंत्री,
उत्तराखण्ड सरकार